University in News on 23 June 2025

AMRIT VICHAR PAGE 7

लविवि की पहली महिला कुलसचिव ने पदभार संभाला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ डॉ. भावना मिश्रा ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में दे चुकी हैं सेवाएं

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने कार्यभार संभाला लिया। अभी तक वह ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के पद पर सेवाएं दे रही थीं। वह लविवि की 54वीं कुलसचिव होंगी। लंबे समय से कार्यवाहक कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी कामकाज देख रहे थे।

शनिवार को उन्होंने कुलपति प्रो. आलोक राय की मौजूदगी में प्रभारी से कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. भावना लखनऊ विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव और उपकुलसचिव रह चुकी हैं।

डॉ. भावना एक दशक से अधिक समय से लखनऊ के विश्वविद्यालयों में सेवाएं दे रही हैं। कार्यवाहक कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी विश्वविद्यालय में 2 अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। परीक्षाओं की सुचिता सुनिश्चित करने से लेकर प्रशासनिक कार्य जिम्मेदारी उनके पास थी। इसके चलते शासन ने भावना मिश्रा को लखनऊ विश्वविद्यालय का नया कुलसचिव नियुक्त किया था।

कुलपति की उपस्थिति में कार्यभार ग्रहण करतीं डॉ. भावना मिश्रा। अमृत विचार

लविवि के कुलपति बने उच्च स्तरीय समिति के सदस्य

अमृत विचार, लखनऊ: उच्च शिक्षा विभाग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों, 2 केन्द्रीय विश्वविद्यालय और 3 राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति सदस्य बनाए गए हैं। आईआईटी, मुम्बई एवं आईआईएम, अहमदाबाद के निदेशक सदस्य नामित किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति को भी सदस्य बनाया गया है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग में भारत वर्ष के विभिन्न शिक्षण संस्थानों को वर्तमान व्यवस्था से नयी व्यवस्था में प्रतिस्थापित करने की प्रक्रिया का दिशा-निर्देश निर्धारित किये जाने विषयक है।

सक्रियता 2015 से प्रदेश सरकार की योग समिति में रहे हैं सदस्य और समन्वयक

योग अभियान के मौन कर्मयोगी रहे लविवि के डॉ. अमरजीत

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: पेशा जब पैशन बन जाए तो कार्य का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। इसके मिसाल है लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग और अल्टरनेटिव मेडिसिन विभाग के डॉ. अमरजीत यादव जो गत 11 वर्षो से प्रदेश में योग अभियान की कमान संभाले हुए हैं। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से एक माह पूर्व से विभिन्न वर्गो जैसे दिव्यांग, बुजुर्ग, महिला से लेकर आंगनवाड़ी और कैदियों तक योग जागरुकता और प्रशिक्षण करते रहे हैं। प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों, संस्थाओं से लेकर राजभवन में योग कार्यक्रम सम्पन्न कराते रहे हैं।

राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को अपनी पुस्तक सौंपते डॉ. अमरजीत यादव।

प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 से 2025 तक प्रदेश सरकार की योग समिति में बतौर सदस्य और कोआर्डिनेटर सक्रिय योगदान देते रहे। पहली बार 2015 में राजभवन में राज्यपाल रामनाईक को योगाभ्यास कराया

2017
में प्रधानमंत्री के योग कार्यक्रम की कोर कमेटी के सदस्य रहे

था। तब से प्रत्येक वर्ष राजभवन में योग महोत्सव में सक्रिय सहभागिता करते रहे हैं। वर्ष 2017 में तीसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ योग करने आए थे। उस कार्यक्रम की कोर कमेटी के भी डॉ. अमरजीत सदस्य रहते हुए पूरे अभियान में सक्रिय योगदान देते रहे।

डॉ. अमरजीत यादव केजीएमयू के डॉक्टरों, छात्रों और मरीजों को भी योग प्रशिक्षण देते रहे हैं। योग दिवस से पूर्व केजीएमयू, राममनोहर लोहिया अस्पताल में योग शिविर कर चुके हैं। इसके अलावा मेंदाता अस्पताल के साथ मिलकर एक अध्ययन पर भी काम कर रहे हैं जिसमें यह पता लगाया जाएगा कि योग प्राणायाम से किस प्रकार रक्त में हीमोग्लोबिन बढ़ाया जा सकता है। डॉ. अमरजीत ने मेडिकल साईंस से प्रमाणित योग पर कई पुस्तकें लिखी हैं जिनमें योगा एंड हॉलिस्टिक हेल्थ, योग का वैधानिक एवं दार्शनिक विमर्श, योग एवं दमा, मेडिकल एप्लीकेशन ऑफ योग, योगा स्पेक्ट्रम, इफेक्ट्स ऑफ योगा एंड नैचुरोपैथी ऑन डाइजेस्टिव सिस्टम, इफेक्ट्स ऑफ योगा एंड नैचुरोपैथी ऑन नर्वस सिस्टम के अलावा योग थेरेपी प्रमुख है।